

MARKING SCHEME

CLASS – XII

BUSINESS STUDIES

2023-24

SET-C

अंक योजना का उद्देश्य को मूल्यांकन को अधिकाधिक वस्तुनिष्ठ बनाना है। दिए गए उत्तर बिंदु अंतिम नहीं है। ये सुझावात्मक एवं सांकेतिक है। यदि परीक्षार्थी ने इनसे भिन्न किन्तु उपयुक्त उत्तर दिये हैं तो उसे उपयुक्त अंक दिये जाएं।

The objective of marking scheme is to make evaluation as objective as possible. The answer points given in the marking scheme are not final. These are suggestive and indicative. If the candidate has given different but suitable answer from these then he should be given suitable marks.

Ques. No.	Suggested Answer	Marking Scheme
1	(A) निम्न स्तर पर, Lower Level	1
2	कर्मचारी व्यक्तिगत रूप से, Employees Personally	1
3	सत्य, True	1
4	लोचपूर्ण, Flexible	1
5	उपरोक्त सभी, All of the above	1
6	विभागीकरण, Departmentalization	1
7	यह व्यक्तिगत होता है, It is personal	1
8	(C) दोनों, Both	1
9	चयन, Selection	1
10	निर्देशन, Directing	1
11	(B) अभिकथन (A) और कारण (R) सही है और कारण (R) अभिकथन (A) का सही स्पष्टीकरण है। (B) Both Reason (R) and Assertion (A) are correct and Reason (R) is the correct explanation of Assertion (A)	1
12	नियंत्रण, Controlling	1
13	असत्य, False	1
14	पूंजी संरचना, Capital Structure	1
15	(D) अभिकथन (A) गलत है पर कारण (R) सही है। Assertion (A) is false but Reason (R) is true	1

16	कूपन, Coupons	1
17	विक्रय अवधारणा, Sales Concept	1
18	(c) Hallmark	1
19	राष्ट्रीय कमीशन, National Commission	1
20	सत्य, True	1
21	<p>सूक्ष्म वातावरण के घटक</p> <p>1. ग्राहक 2. बाजार मध्यस्थ 3. पब्लिक 4. पूर्तिकर्ता 5. प्रतियोगी (कोई 3 विस्तार के साथ)</p> <p>Components of Micro Environment</p> <p>1. Consumer 2. Supplies 3. Market Middlemen 4. Public 5. Competitors (Any 3 with Explanation)</p> <p>Or</p> <p>व्यावसायिक वातावरण के महत्व—</p> <p>1. यह फर्म को अवसरों को पहचानने और प्रथम प्रस्तावक के लाभ प्राप्त करने योग्य बनाता है। 2. यह फर्म के खतरों की पहचान तथा समय से पहले चेतावनी में मदद करता है। 3. यह उपयोगी संसाधनों के दोहन में मदद करता है। 4. यह तीव्रता से हो रहे परिवर्तनों का सामना करने में मदद करता है। 5. यह नियोजन एवं नीति निर्धारण में सहायक है। (कोई 3 विस्तार से)</p> <p>Importance of Business Environment</p> <p>1. It enables the firm to identify opportunities and getting the first mover advantage. 2. It helps the firm to identify threats and early warning signals. 3. It helps in tapping useful resources. 4. It helps in coping with rapid changes. 5. It helps in assisting in planning and policy formation. (Any 3 with explanation)</p>	1x3=3
22	<p>ब्रांडिंग के लाभ—</p> <p>1. आसान पहचान 2. ख्याति में वृद्धि 3. सुविधापूर्ण विक्रय 4. आसान पहचान 5. अधिकतम संतुष्टि 6. अधिक विक्रय मूल्य (कोई 3 विस्तार से)</p> <p>Advantages of Branding</p> <p>1. Easy Identification 2. Increase in Goodwill 3. High Selling Price 4. Convenient in Selling 5. Easy Identification 6. Maximum Satisfaction (Any 3 with Explanation)</p> <p>Or</p> <p>विपणन का महत्व</p> <p>1. विभिन्न व्यवसायिक क्रियाओं का आधार 2. उपयोगिता का सृजन करना 3. सम्प्रेषण में सहायक 4. जीवन स्तर में सुधार 5. बेहतर किस्म की वस्तुएँ</p>	1x3=3

	<p>(कोई 3 विस्तार से)</p> <p>Importance of Marketing</p> <ol style="list-style-type: none"> 1. Basis of various Business Activities 2. To create utility 3. Helpful in Communication 4. Improvement in standard of living 5. Goods of Better Quality <p>(Any 3 with Explanation)</p>																																					
23	<p>समता पर व्यापार—समता पर व्यापार का अभिप्राय समता, अंश पूंजी के आधार पर स्थायी लागत पूंजी प्राप्त करके समता अंशधारियों की आय में वृद्धि करना है। ऐसा तभी संभव है जब विनियोग की आय दर ऋण पूंजी पर ब्याज दर से अधिक हो।</p> <p>उदाहरण के लिए</p> <table border="1"> <thead> <tr> <th>Liabilities</th><th>X Co. (Rs.)</th><th>Y Co. Rs.)</th></tr> </thead> <tbody> <tr> <td>Equity Share Capital (Face Value per equity share Rs. 10)</td><td>10,00,000</td><td>4,00,000</td></tr> <tr> <td>10% Debentures</td><td>-</td><td>6,00,000</td></tr> <tr> <td>Total</td><td>10,00,000</td><td>10,00,000</td></tr> </tbody> </table> <p>उपरोक्त विवरण से स्पष्ट होता है कि दोनों कम्पनियों की कुल पूंजी रुपये 10 लाख है। लेकिन X Co. ने यह पूंजी केवल समता अंश जारी करके प्राप्त की है जबकि Y Co. ने 4 लाख की समता अंश पूंजी व 6 लाख के 10 प्रतिशत वाले ऋणपात्र जारी किए हैं। अब माना कि दोनों कम्पनियों में बराबर विनियोग के रुपये 2-2 लाख EBIT अर्जित की। कर दर 30 प्रतिशत है।</p> <p>EBIT – EPS Analysis</p> <table border="1"> <thead> <tr> <th>Particulars</th><th>X Co. (Rs.)</th><th>Y Co. (Rs.)</th></tr> </thead> <tbody> <tr> <td>EBIT</td><td>200000</td><td>200000</td></tr> <tr> <td>Less – Interest</td><td>-</td><td>60000</td></tr> <tr> <td>EBT</td><td>200000</td><td>140000</td></tr> <tr> <td>Less – Tax (30%)</td><td>60000</td><td>42000</td></tr> <tr> <td>EAT</td><td>140000</td><td>98000</td></tr> <tr> <td>No. of Equity Shares</td><td>100000</td><td>40000</td></tr> <tr> <td>EPS = EAT/ No. of Equity Shares</td><td>1.40</td><td>2.45</td></tr> </tbody> </table> <p>उपरोक्त उदाहरण में X Co. के अंशधारियों को अपने विनियोग पर रुपये 1.40 प्रति अंश की आय हो रही है। जबकि Y Co. में यह दर रुपये 2.45 है। इसका कारण यह है कि Y Co. ने समता पर व्यापार प्रक्रिया का लाभ उठाया है।</p>	Liabilities	X Co. (Rs.)	Y Co. Rs.)	Equity Share Capital (Face Value per equity share Rs. 10)	10,00,000	4,00,000	10% Debentures	-	6,00,000	Total	10,00,000	10,00,000	Particulars	X Co. (Rs.)	Y Co. (Rs.)	EBIT	200000	200000	Less – Interest	-	60000	EBT	200000	140000	Less – Tax (30%)	60000	42000	EAT	140000	98000	No. of Equity Shares	100000	40000	EPS = EAT/ No. of Equity Shares	1.40	2.45	3
Liabilities	X Co. (Rs.)	Y Co. Rs.)																																				
Equity Share Capital (Face Value per equity share Rs. 10)	10,00,000	4,00,000																																				
10% Debentures	-	6,00,000																																				
Total	10,00,000	10,00,000																																				
Particulars	X Co. (Rs.)	Y Co. (Rs.)																																				
EBIT	200000	200000																																				
Less – Interest	-	60000																																				
EBT	200000	140000																																				
Less – Tax (30%)	60000	42000																																				
EAT	140000	98000																																				
No. of Equity Shares	100000	40000																																				
EPS = EAT/ No. of Equity Shares	1.40	2.45																																				
24	<p>वित्तीय नियोजन का महत्व:—</p> <ol style="list-style-type: none"> 1. संभावित परिस्थितियों का सामना करने में सहायक 2. व्यवसायिक सदमों और आश्चर्यों को टालने में सहायक 3. विभिन्न व्यवसायिक कार्यों में समन्वय में सहायक 4. वित्त की बर्बादी पर रोक में सहायक 5. वर्तमान को भविष्य से जोड़ने में सहायक <p>(कोई 3 विस्तार से)</p> <p>Importance of Financial Planning</p>	1x3=3																																				

	1. Helps to face the eventualities 2. Helps in avoiding shocks and surprises 3. Helps in coordinating various business functions 4. Helps in avoiding wastage of funds 5. Helps to link the present with future (Any 3 with explanation)			
25	अंतर का आधार	आदेश की एकता	निर्देश की एकता	1x4=4
	1. अर्थ	इस सिद्धांत के अनुसार प्रत्येक कर्मचारी को एक समय पर केवल एक ही अधिकारी से आदेश प्राप्त होने चाहिए	इस सिद्धांत के अनुसार समान उद्देश्य वाली विभिन्न क्रियाएं एक ही अध्यक्ष के अधीन पूरी की जानी चाहिए और उनके लिए एक ही योजना बनाई जानी चाहिए	
	2. उद्देश्य	इसका उद्देश्य दोहरी अधीनस्थता को रोकना है।	इसका उद्देश्य क्रियाओं के अनदेखा होने को रोकना है।	
	3. प्रभाव	इससे कर्मचारी व्यक्तिगत रूप से प्रभावित होते हैं।	इससे पूरा संगठन प्रभावित होता है।	
	4. सिद्धांत	एक कर्मचारी को केवल एक अधिकारी आदेश दे।	क्रियाओं के प्रत्येक समूह के लिए एक ही अध्यक्ष, एक ही योजना होनी चाहिए।	
	Basic of Difference	Unity of Command	Unity of Direction	
	1. Meaning	Every employee should get instructions from only one Boss	One Head and one plan for a group of activities having the same objectives	
	2. Aim	To avoid dual subordination	To avoid neglection of activities	
	3. Implication	It affects the employees individually	It affects the whole organization	
	4. Principle	One employee one Boss	One Head and One Plan	
	अथवा			
	समय अध्ययन	गति अध्ययन		
	1. समय अध्ययन हेतु स्टॉप वाच का प्रयोग किया जाता है।	1. गति अध्ययन हेतु फोटोग्राफिक विधि का प्रयोग किया जाता है।		
	2. समय अध्ययन में श्रमिकों के कार्य को प्रमाणित समय के आधार पर मापा जाता है।	2. गति अध्ययन में किसी कार्य को करते समय की जाने वाली विभिन्न गतिविधियों का क्रमबद्ध विश्लेषण किया जाता है।		
	3. समय अध्ययन सदैव गति अध्ययन से पहले किया जाता है।	3. गति अध्ययन सदैव समय अध्ययन के बाद किया जाता है।		
	4. समय अध्ययन के अंतर्गत श्रमिकों द्वारा किसी काम को पूरा करने के लिए काम पर और मशीनों पर लगाए जाने वाले समय का अध्ययन किया जाता है।	4. गति अध्ययन करने के लिए समान्यतया श्रमिकों द्वारा किए जाने वाले कार्य का अध्ययन किया जाता है।		
	Time Study	Motion Study		
	1. Stop watch is used to study time	1. Photographic method is used to		

	<table><tr><td></td><td>study motion</td></tr><tr><td>2. Under time study, the work of workers is measured on the basis of standard time</td><td>2. Under motion study a systematic analysis of various activities are done.</td></tr><tr><td>3 Time study is done before work study</td><td>3. Motion study is done before time study</td></tr><tr><td>4. Under time study, the time spend by workers on work and machines to complete a work is studied</td><td>4. To study motion generally the work done by workers is studied</td></tr></table>		study motion	2. Under time study, the work of workers is measured on the basis of standard time	2. Under motion study a systematic analysis of various activities are done.	3 Time study is done before work study	3. Motion study is done before time study	4. Under time study, the time spend by workers on work and machines to complete a work is studied	4. To study motion generally the work done by workers is studied	
	study motion									
2. Under time study, the work of workers is measured on the basis of standard time	2. Under motion study a systematic analysis of various activities are done.									
3 Time study is done before work study	3. Motion study is done before time study									
4. Under time study, the time spend by workers on work and machines to complete a work is studied	4. To study motion generally the work done by workers is studied									
26	<p>कार्यात्मक ढांचा—कार्यात्मक ढांचे का अर्थ पूरी संस्था को उसके द्वारा की जानी वाली मुख्य क्रियाओं / कार्यों के आधार पर विभाजित करने से है। कार्यात्मक ढांचे के लाभ—</p> <ol style="list-style-type: none">1. विशिष्टीकरण के लाभ2. समन्वय की स्थापना3. प्रबंधकीय कुशलता में वृद्धि4. प्रयत्नों की न्यूनतम दोहराई5. प्रशिक्षण में सहायक6. सभी कार्यों को समान महत्व <p>कोई 3 व्याख्या के साथ</p> <p>Functional organization structure – it refers to the division of whole enterprise according to the major activities performed by it. Advantages of Functional structure:</p> <ol style="list-style-type: none">1. Benefits of Specialization2. Coordination is established3. Increase in Managerial Efficiency4. Minimum duplication of efforts5. Training is facilitated6. Equal weightage to all functions <p>(Any 3 with Explanation)</p> <p>OR</p> <p>डिविजनल ढांचा— डिविजनल संगठन ढांचे का अर्थ पूरी संस्था को उसके द्वारा उत्पादित किए जाने वाले मुख्य उत्पादों के आधार पर विभक्त करने से हैं।</p> <p>सीमाएँ—</p> <ol style="list-style-type: none">1. डिविजनल अध्यक्षों के मध्य संघर्ष2. लागतों में वृद्धि3. स्वार्थी प्रवृत्ति <p>Divisional organization structure – It refers to the division of whole enterprise on the basis of different products, geographical areas, customer groups etc.</p> <p>Limitations of Divisional structure</p> <ol style="list-style-type: none">1. Conflicts between Divisional Heads2. Increase in Cost3. Selfish Attitude <p>(With Explanation)</p>	1+3=4								
27	<p>नियुक्तिकरण के चरण</p> <ol style="list-style-type: none">1. मानव शक्ति आवश्यकताओं का आंकलन2. भर्ती3. चयन	1x4=4								

	<ol style="list-style-type: none"> 4. कार्य पर लगाना और अभिविन्यास 5. प्रशिक्षण एवं विकास 6. निष्पादन मूल्यांकन 7. पदोन्नति एवं कैरियर नियोजन 8. पारिश्रमिक <p>(कोई 4 विस्तार से)</p> <p>Steps in the process of Selection</p> <ol style="list-style-type: none"> 1. Estimating manpower Requirements 2. Recruitment 3. Selection 4. Placement & Orientation 5. Training & Development 6. Performance Appraisal 7. Promotion and Career Planning 8. Remuneration <p>(Any 4 with Explanation)</p>	
28	<p>नियंत्रण की सीमाएँ—</p> <ol style="list-style-type: none"> 1. गुणात्मक प्रमाण निर्धारित करने में कठिनाई 2. बाहरी तत्वों पर कोई नियंत्रण नहीं 3. कर्मचारियों द्वारा विरोध 4. महंगी प्रक्रिया <p>(विस्तार से व्याख्या)</p> <p>Limitations of Controlling</p> <ol style="list-style-type: none"> 1. Difficulty in setting Qualitative Standards 2. No Control Over External Factors 3. Resistance from Employees 4. Costly Affairs <p>(Explain In Detail)</p>	1x4=4
29	<p>वित्तीय निर्णय वित्त व्यवस्था निर्णय का अभिप्राय यह निर्धारित करने से है कि व्यवसाय के लिए आवश्यक वित्त को विभिन्न दीर्घकालीन स्रोतों से कितनी-कितनी मात्रा में किया जाएगा।</p> <p>वित्त व्यवस्था निर्णय को प्रभावित करने वाले घटक</p> <ol style="list-style-type: none"> 1. जोखिम 2. व्यवसाय की रोकड़ प्रवाह स्थिति 3. वित्त के विभिन्न स्रोतों की लागत 4. निर्गमित लागतें 5. वैधानिक आवश्यकताएं 6. विनियोग पर आय की दर <p>(कोई 3 विस्तार से)</p> <p>Financing Decision- It refers to determination as to how the total funds required by the business will be obtained from various long term sources:</p> <p>Factors affecting financing decision:-</p> <ol style="list-style-type: none"> 1. Risk 2. Cash Flow Position of Business 3. Cost of Various Sources of Finance 4. Flotation Cost 5. Legal Requirements 	1+3=3

	6. Rate of Return on Investment (Any 3 with Explanation)	
30	<p>उपभोक्ता के अधिकार</p> <ol style="list-style-type: none"> 1. सुरक्षा का अधिकार 2. सूचना प्राप्ति का अधिकार 3. चयन का अधिकार 4. शिकायत का अधिकार 5. क्षतिपूर्ति का अधिकार 6. उपभोक्ता शिक्षा का अधिकार <p>कोई 4 व्याख्या के साथ</p> <p>Rights of Consumers</p> <ol style="list-style-type: none"> 1. Rights of Safety 2. Right to be Informed 3. Right to Choose 4. Right to be Heard 5. Right to Redressal 6. Right to Consumer Education <p>(Any 4 with explanation)</p>	1x4=4
31	<p>उच्च स्तरीय प्रबंध के कार्य</p> <ol style="list-style-type: none"> 1. संगठन के विभिन्न विभागों में समन्वय स्थापित करना 2. संगठन के कल्याण तथा बने रहने का ध्यान रखना 3. व्यवसाय के वातावरण का विश्लेषण करना 4. संगठन के कुल उद्देश्य एवं व्यूह-रचना तैयार करना 5. व्यवसाय की सभी क्रियाओं का उत्तरदायित्व लेना। <p>(कोई 3 विस्तार से)</p> <p>मध्य स्तरीय प्रबंध के कार्य-</p> <ol style="list-style-type: none"> 1. यह उच्चस्तरीय प्रबंध और निम्न स्तरीय प्रबंध के मध्य एक कड़ी होता है। 2. उच्च प्रबंध द्वारा तैयार नीतियों की व्याख्या करना। 3. अधीनस्थों की आवश्यक कार्य तथा उत्तरदायित्व सौंपना <p>Functions of Top Level Managers</p> <ol style="list-style-type: none"> 1. To establish coordination in the activities by keeping in mind overall objectives of the organization 2. To take care of the welfare and survival of the organization 3. To analyze the business environment and its impact on the survival of the organization 4. To prepare overall objectives and strategies of the organization 5. Taking responsibility for all business activities and their impact on society <p>(Any 3 with Explanation)</p> <p>Functions of Middle level Management</p> <ol style="list-style-type: none"> 1. It is a link between high level management and lower level management 2. To explain policies made by Top level management. 3. To assign task and responsibilities to subordinates <p>(with Explanation)</p> <p>Or</p> <p>प्रबंध का महत्व-</p>	3+3=6

	<ol style="list-style-type: none"> 1. प्रबंध सामूहिक उद्देश्य प्राप्ति में सहायक है। 2. प्रबंध से कुशलता बढ़ती है। 3. प्रबंध गतिशील संगठन तैयार करता है। 4. प्रबंध व्यक्तिगत उद्देश्यों की प्राप्ति में सहायक है। 5. प्रबंध समाज के विकास में सहायक है। <p>कोई 4 विस्तार से</p> <p>Importance of Management:</p> <ol style="list-style-type: none"> 1. Management helps in achieving group goals 2. Management Increases efficiency 3. Management creates a dynamic organization 4. Management helps in achieving personal objectives 5. Management helps in development of society 	1.5x4=6															
32	<p>नियोजन की विशेषताएँ</p> <ol style="list-style-type: none"> 1. नियोजन का केन्द्र बिन्दु लक्ष्य प्राप्ति होता है। 2. नियोजन प्रबंध का प्राथमिक कार्य है। 3. नियोजन सर्वव्यापी है। 4. नियोजन सतत है। 5. नियोजन भविष्यवादी है। 6. नियोजन एक मानसिक अभ्यास है। <p>कोई 4 व्याख्या के साथ।</p> <p>Features of Planning</p> <ol style="list-style-type: none"> 1. Planning focuses on achieving objectives 2. Planning is a primary function 3. Planning is pervasive 4. Planning is continuous 5. Planning is futuristic 6. Planning is a mental exercise <p>(Any 4 with explanation)</p> <p style="text-align: center;">OR</p> <p>नीति—नीतियों का अभिप्राय उन सामान्य विवरणों से है जो निर्णय में कर्मचारियों के मार्गदर्शन हेतु बनाए जाते हैं।</p> <p>नियम—नियम का अभिप्राय उस योजना से है जो हमें बताती है कि किसी विशेष परिस्थिति में क्या करना है और क्या नहीं।</p> <table border="1"> <thead> <tr> <th>अंतर का आधार</th><th>नीति</th><th>नियम</th></tr> </thead> <tbody> <tr> <td>1. प्रकृति</td><td>नीति एक प्रकार के निर्देश है जो उच्च अधिकारियों के विचारों को स्पष्ट करती है।</td><td>नियम वे कार्य आदेश है जो स्पष्ट करते हैं कि अधीनस्थ को विशेष परिस्थितियों में क्या करना चाहिए और क्या नहीं</td></tr> <tr> <td>2. लोचशीलता</td><td>नीतियों में समय तथा परिस्थितियों के अनुसार परिवर्तन किया जा सकता है।</td><td>नियम लोचहीन होते हैं।</td></tr> <tr> <td>3. दंड</td><td>नीतियों का पालन न किए जाने पर दंड की व्यवस्था नहीं होती।</td><td>नियम की पालना न करने पर दंड की व्यवस्था होती है।</td></tr> <tr> <td>4. स्वतंत्रता</td><td>नीतियों की सीमाओं में रहते हुए कर्मचारी निर्णय लेने के लिए स्वतंत्र है।</td><td>नियम का पालन दृढ़ता से किया जाता है।</td></tr> </tbody> </table>	अंतर का आधार	नीति	नियम	1. प्रकृति	नीति एक प्रकार के निर्देश है जो उच्च अधिकारियों के विचारों को स्पष्ट करती है।	नियम वे कार्य आदेश है जो स्पष्ट करते हैं कि अधीनस्थ को विशेष परिस्थितियों में क्या करना चाहिए और क्या नहीं	2. लोचशीलता	नीतियों में समय तथा परिस्थितियों के अनुसार परिवर्तन किया जा सकता है।	नियम लोचहीन होते हैं।	3. दंड	नीतियों का पालन न किए जाने पर दंड की व्यवस्था नहीं होती।	नियम की पालना न करने पर दंड की व्यवस्था होती है।	4. स्वतंत्रता	नीतियों की सीमाओं में रहते हुए कर्मचारी निर्णय लेने के लिए स्वतंत्र है।	नियम का पालन दृढ़ता से किया जाता है।	1.5x4=6
अंतर का आधार	नीति	नियम															
1. प्रकृति	नीति एक प्रकार के निर्देश है जो उच्च अधिकारियों के विचारों को स्पष्ट करती है।	नियम वे कार्य आदेश है जो स्पष्ट करते हैं कि अधीनस्थ को विशेष परिस्थितियों में क्या करना चाहिए और क्या नहीं															
2. लोचशीलता	नीतियों में समय तथा परिस्थितियों के अनुसार परिवर्तन किया जा सकता है।	नियम लोचहीन होते हैं।															
3. दंड	नीतियों का पालन न किए जाने पर दंड की व्यवस्था नहीं होती।	नियम की पालना न करने पर दंड की व्यवस्था होती है।															
4. स्वतंत्रता	नीतियों की सीमाओं में रहते हुए कर्मचारी निर्णय लेने के लिए स्वतंत्र है।	नियम का पालन दृढ़ता से किया जाता है।															

	<p>Policy – Policies are those general statements which are decided for the guidance of the employees while taking decision.</p> <p>Rule- Rule refers to the plan that tells us what is to be done and what is not to be done.</p> <table border="1"> <thead> <tr> <th>Basic of Differences</th><th>Policy</th><th>Rules</th></tr> </thead> <tbody> <tr> <td>1. Nature</td><td>Policies are guidelines which clarify the views of higher officials</td><td>Rules are work orders that specify what subordinates are to do and what not</td></tr> <tr> <td>2. Flexibility</td><td>Policies are flexible</td><td>Rules are rigid</td></tr> <tr> <td>3. Punishment</td><td>There is no punishment for not following policies</td><td>There is provision for punishment if rules are not followed</td></tr> <tr> <td>4. Freedom</td><td>Employees are free in take decisions while remaining within limit of policies</td><td>There is no place for freedom under rules</td></tr> </tbody> </table>	Basic of Differences	Policy	Rules	1. Nature	Policies are guidelines which clarify the views of higher officials	Rules are work orders that specify what subordinates are to do and what not	2. Flexibility	Policies are flexible	Rules are rigid	3. Punishment	There is no punishment for not following policies	There is provision for punishment if rules are not followed	4. Freedom	Employees are free in take decisions while remaining within limit of policies	There is no place for freedom under rules																
Basic of Differences	Policy	Rules																														
1. Nature	Policies are guidelines which clarify the views of higher officials	Rules are work orders that specify what subordinates are to do and what not																														
2. Flexibility	Policies are flexible	Rules are rigid																														
3. Punishment	There is no punishment for not following policies	There is provision for punishment if rules are not followed																														
4. Freedom	Employees are free in take decisions while remaining within limit of policies	There is no place for freedom under rules																														
33	<p>वित्तीय प्रोत्साहन</p> <table> <tr> <td>1. वेतन एवं भत्ते</td><td>2. बोनस</td><td>3. लाभ-भागिता</td></tr> <tr> <td>4. सह-भागिता</td><td>5. सेवानिवृत्त लाभ</td><td>6. अनुलाभ</td></tr> </table> <p>कोई 3 विस्तार के साथ</p> <p>गैर वित्तीय प्रोत्साहन</p> <table> <tr> <td>1. पद</td><td>2. संगठनात्मक वातावरण</td><td>3. कैरियर बढ़ौतरी अवसर</td></tr> <tr> <td>4. कार्य संपन्नता</td><td>5. कर्मचारी पहचान कार्यक्रम</td><td>6. सेवा सुरक्षा</td></tr> </table> <p>Financial Incentives</p> <table> <tr> <td>1. Pay and allowances</td><td>2. Bonus</td><td>3. Profit Sharing</td></tr> <tr> <td>4. Co-Partnership</td><td>5. Retirement Benefits</td><td></td></tr> <tr> <td>6. Perquisites</td><td></td><td></td></tr> </table> <p>(Any 3 with Explanation)</p> <p>Non – Financial Incentives</p> <table> <tr> <td>1. Status</td><td>2. Organizational Climate</td><td>3. Career Advancement</td></tr> <tr> <td>4. Job Enrichment</td><td>5. Employee Recognition Programmes</td><td></td></tr> <tr> <td>6. Job Security</td><td></td><td></td></tr> </table> <p>(Any 3 with Explanation)</p>	1. वेतन एवं भत्ते	2. बोनस	3. लाभ-भागिता	4. सह-भागिता	5. सेवानिवृत्त लाभ	6. अनुलाभ	1. पद	2. संगठनात्मक वातावरण	3. कैरियर बढ़ौतरी अवसर	4. कार्य संपन्नता	5. कर्मचारी पहचान कार्यक्रम	6. सेवा सुरक्षा	1. Pay and allowances	2. Bonus	3. Profit Sharing	4. Co-Partnership	5. Retirement Benefits		6. Perquisites			1. Status	2. Organizational Climate	3. Career Advancement	4. Job Enrichment	5. Employee Recognition Programmes		6. Job Security			3+3=6
1. वेतन एवं भत्ते	2. बोनस	3. लाभ-भागिता																														
4. सह-भागिता	5. सेवानिवृत्त लाभ	6. अनुलाभ																														
1. पद	2. संगठनात्मक वातावरण	3. कैरियर बढ़ौतरी अवसर																														
4. कार्य संपन्नता	5. कर्मचारी पहचान कार्यक्रम	6. सेवा सुरक्षा																														
1. Pay and allowances	2. Bonus	3. Profit Sharing																														
4. Co-Partnership	5. Retirement Benefits																															
6. Perquisites																																
1. Status	2. Organizational Climate	3. Career Advancement																														
4. Job Enrichment	5. Employee Recognition Programmes																															
6. Job Security																																

34	<p>(क) भौतिक वितरण मिश्रण</p> <p>(ख) वितरण माध्यम के कार्य</p> <ol style="list-style-type: none"> उपभोक्ताओं की सेवा करना संदेशवाहन में सहायता करना सौदों की संख्या न्यूनतम करना मूल्य निर्धारित करना वित्त प्रबंध करना (कोई 4 विस्तार से) <p>(A) Place Mix</p> <p>(B) Components of Place Mix</p> <ol style="list-style-type: none"> Serving the Consumer Helping in Communication Minimizing Total Transaction Fixing Prices Managing Finance <p>(Any 4 with Explanation)</p>	2+4=6

